



KV AFS MOHANBARI



VIDYALAYA PATRIKA

विद्यालय पत्रिका

(2018-19)

के . वि . वायु सेना स्थल, मोहनबाड़ी

2018-2019

अनुक्रमणिका (INDEX)

1. संदेश	अ) प्राचार्य, श्री शिव कुमार सिंह ब) श्रीमती रूपा सिंह (मुख्य संपादक)
2. हिन्दी अनुभाग	
विषय (subjects)	प्रष्ठ संख्या (Page no.)
मेरी माँ और मेरे गुरु	1
3. संस्कृत अनुभाग	
माँ	2
ENGLISH SECTION	
SEASON OF SPRING	3
MEDITATION	4
POEM	5
K.V. AIRLINES	6
FULL FORM OF KENDRIYA VIDYALAY	7
FUN FACTS ABOUT MATHS	8
EXAMINATION	9
TEACHER'S SECTION	
हिन्दी	
जीत का आह्वान	10
हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू	11
आगे बढ़ो	12
संस्कृत	
संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्	13
ENGLISH	
USE OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE IN EDUCATION SYSTEM	14
STUDENTS CREATIVITY	
TEACHERS CREATIVITY	15

ACADEMIC EXCELLENCE-2018

CLASS-XII AISSCE-2108 TOPPER

केन्द्रीय विद्यालय
वायु सेना स्टेशन मोहनबाड़ी
जिला -डीब्रूगढ़ :- : ७८६ ०१२ (असम)
दूरभाष व फैंक्स :- ०३७३-२३८३३६०, २९१५५८७
विद्यालय वेबसाइट:-
www.kvmohanbari.org.in
इ-मेल :- kvmohanbarinew@gmail.com



**KENDRIYA VIDYALAYA
AFS MOHANBARI**
DISTT: DIBRUGARH: 786 012
(ASSAM)
Tel & Fax : 0373-2383360, 2915587
Website: www.kvmohanbari.org.in
e-mail :- kvmohanbarinew@gmail.com

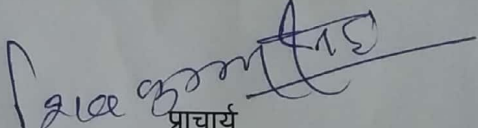
संदेश

साहित्य में सत्य की साधना है एवं सौंदर्य की अभिव्यंजना है। सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत करना साहित्य का बुनियादी लक्ष्य है। विद्यालय के बच्चों ने अपनी रचनाओं के द्वारा इस पत्रिका को जीवंत और प्रभावशाली बना दिया है। आशा है यह पत्रिका एक अच्छी मित्र साबित होगी और इसे पढ़ने में आनंद की अनुभूति होगी।

यह युग सूचना प्रौद्योगिकी का है, इस युग में ई-पत्रिका का चलन बढ़ा है। अतः विद्यालय के वेबसाइट पर भी ई-पत्रिका अपलोड है। दूरस्थ शिक्षा हेतु भी यह माध्यम और अधिक प्रभावशाली बन गया है।

शिक्षा के मौलिक अधिकार को भी यह पत्रिका बल प्रदान करती है, क्योंकि इसमें लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा मौलिक रचना के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास करने का अवसर है। हमारी प्राथमिकता है कि बच्चे सही दिशा में सोचें क्योंकि हमारी सोच शब्द बन जाते हैं, शब्द कर्म, कर्म आदत और आदत हमारे चरित्र निर्माण में सहायक होते हैं। विद्यालय पत्रिका का उद्देश्य विद्यालय परिवार तथा समाज में प्रेम और शांति का संदेश देते हुए स्वस्थ विचार का निर्माण है। आशा है यह पत्रिका इस प्रयास में सफल सिद्ध होगी।

संपादक मण्डल, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को मेरी शुभ कामनाएँ।


प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल
मोहनबाड़ी

के . वि . वायु सेना स्थल, मोहनबाड़ी संदेश

मानव जीवन को विकसित करने के लिए शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा यह देश अपने हजारों साल की संस्कृति को सँजोकर, एवं भविष्य में दुनिया के विकसित देशों के व्यक्तियों के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकेगा।

मेरे लिए यह अति सौभाग्य की बात है कि हमारे केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल मोहनबाड़ी की ई-पत्रिका सफलतापूर्वक प्रकाशित हुई है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा स्वरचित कृतियों एवं सृजनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला है और इसके साथ ही संपादक मंडल के संयुक्त प्रयास एवं सहयोग के फलस्वरूप हमारे विद्यालय की ई-पत्रिका प्रकाशित हुई है।

मैं श्रीमती रूपा सिंह आप सभी के अथक प्रयासों के लिए आपकी अति आभारी हूँ और आशा करती हूँ कि जब आप इस ई-पत्रिका को पढ़ेंगे तो अत्यंत हर्ष का अनुभव करेंगे।

श्रीमती रूपा सिंह

(मुख्य संपादक)

(स्नातक शिक्षिका, अंग्रेजी)

ACADEMIC EXCELLENCE-2018

CLASS-XII AISSCE-2108 TOPPER



RUBY KUMARI- 86%

CLASS-X AISSE-2018 TOPPER



BIMRISHA GOHAIN



SAMPREETI SHIKHA SAIKIA



NISHI GOHAIN

BIMRISHA GOHAIN- 93.8%

SAMPREETI SHIKHA SAIKIA- 93.6%

NISHI GOHAIN- 87%



के . वि . वायु सेना स्थल, मोहनबाड़ी
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

के . वि . वायु सेना स्थल, मोहनबाड़ी

2018-2019

संपादक मंडल (Editorial Board)

1. मुख्य संपादक (Editor-in-chief): श्री शिव कुमार सिंह, प्राचार्य
2. संपादक, हिंदी अनुभाग (Editor, Hindi section): श्रीमती जागृति गुप्ता
(स्नातक शिक्षिका, संस्कृत)
3. संपादक, संस्कृत अनुभाग (Editor, Sanskrit section): श्रीमती जागृति
गुप्ता (स्नातक शिक्षिका, संस्कृत)
4. संपादक, अंग्रेजी अनुभाग: (Editor, English section): श्रीमती रूपा सिंह
(स्नातक शिक्षिका, अंग्रेजी)
5. टाइप सेटिंग: श्रीमती ममता, स्नातकोत्तर शिक्षिका, संगणक
6. Designed by: श्रीमती ममता (स्नातकोत्तर शिक्षिका, संगणक), श्रीमती
रूपा सिंह (स्नातक शिक्षिका, अंग्रेजी), ऋषि त्रिवेदी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक,
कला)

मेरी माँ और मेरे गुरु

मेरी माँ और मेरे गुरु

क्या अंतर है दोनों में कहीं, शायद कुछ भी तो नहीं ।

एक वो जिसने मुझे जन्म दिया,

एक वो जिसने मुझे ज्ञान रूपी वरदान दिया ।

एक वो जो ध्यान रखती है सदैव मेरा घर में,

एक वो जो सदा अनुशासन सिखाती है मुझे विद्यालय में ।

क्या अंतर है दोनों में कहीं, शायद कुछ भी तो नहीं ।



एक वो जो आहार से करती है मेरा शारीरिक विकास

एक वो जो शिक्षा से करती है मेरा बोद्धिक विकास ।

एक वो जिसने पग-पग पर संभल कर चलना सिखाया मुझे,

एक वो जिसने हर पल सही राह दिखाई मुझे ।

क्या अंतर है दोनों में कहीं, शायद कुछ भी तो नहीं ।



एक वो जो ममता और स्नेह की मूरत है,

एक वो जो शिक्षा और सिद्धांतों की निधि है ।

दोनों ने ही संभाला सदैव गिरने से मुझे,

दोनों ने ही जोश और उमंग से जीना सिखाया मुझे ।

क्या अंतर है दोनों में कहीं, शायद कुछ भी तो नहीं ।

दोनों का ही है आशीर्वाद मेरे मस्तक पर,

दोनों की ही है सदा कृपा मेरे शीश पर ।

दोनों ने ही प्यार और सम्मान से सँवारा है मुझे,

शत-शत नमन है मेरी माँ और मेरे गुरु तुम्हें ।

आराध्य गुप्ता

कक्षा आठवी

माँ

माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करुणा-ममतायाः त्वम् मूर्ति,
न कोअपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।

तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति,
'माँ'शब्दस्य महिमा अपार,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार।

सानिया
नवमी

SEASON OF SPRING

There was a season of spring.

But, we all want to swing

The nature was fly,

We call him hay.

The butterfly is sitting on marigold

But children are saying season of spring like a gold.

Spring like a cutter

But all children want to eat butter.

Spring season is like a fairy

Trees shoots the cherry.

SANIYA (CLASS VIII)

AMAZING FACTS

- Babies have around 100 more bones than adults.
- The Eiffel Tower can be 15 cm taller during summer.
- 20% of Earth's oxygen is produced by the Amazon Forest.
- A teaspoon full of neutron star would weigh 6 billion tons.
- Hawaii moves 7.5 cm closer to Alaska every year.
- Stomach acid is strong enough to dissolve stainless steel.
- Polar bears are nearly undetectably by infra-red cameras.

SRISHTI KUMARI (CLASS VIII)

MEDITATION

Meditation is a holistic discipline by which the practitioner attempts to get beyond the reflexive, "thinking" mind into a deeper state of relaxation of awareness for awareness. The term can refer to the process of reaching this state, as well as to the state itself.

Achieving greater focus, creativity or self awareness and simply cultivating a more relaxed and peaceful frame of mind.

The meditative state of mind is declared by yogis is to be highest state in which the mind exists. When the mind is studying the external objects, is gets identified with it loses itself.

Different meditative disciplines encompass a wide range of spiritual and non-spiritual goals that means achieving a higher state of consciousness or and enlightenment, increasing one's compassion and loving kindness, receiving spiritual inspirations or guidance from God.

Vinayak Gupta

Class - 6th

Poem

Bird come, bird come.
Come my garden,
For the long winter,
And the summer.

Aniket Gupta

Class-2

Poem

The happy child
And the green tree,
The red house
And the yellow sun,
And the little pig.

Deepanjali

Class-2

Poem

The pink pink little pig
And waterside snake,
The little deer running,
For the forest.

Pratingya

Class-2

K.V. AIRLINES

Pilot – Principal
Co-pilot – Vice Principal
Crew – Male Teachers
Air hostesses – Female Teachers
Passengers – Students
Ground Engineer – Office Staff
Take off – 8:00 hrs
Landing – 14:10 hrs
Fares – Fee
Class – I to XII
Luggage – School bags
Flight – K.V.MOHANBARI
Boarding – Bell
Security Check – PET
Frequency – 6 days a week

(SHRIYA SHUKLA, CLASS IX)

FULL FORM OF KENDRIYA VIDYALAYA

K – Kindness towards students
E – Efficiency
N – Nationalism
D – Discipline
R – Respect
I – Identity
Y – Young always
A – Academic excellence
V – Vision
I – Intelligence
D – Devotion
Y – Yearning to learn
A – Attractive personalities
L – Loyalty towards country
A – Awareness
Y – Yielding good results
A – Administration of KVS for construction of society

FUN FACTS ABOUT MATHS

1. Zero (0) is the only number which cannot be represented by Roman numerals.
2. What comes after a million, billion and trillion? A quadrillion, quintillion, sextillion, septillion, octillion, nonillion, decillion and undecillionth
3. Plus (+) and Minus (-) sign symbols were used as early as 1489 A.D
4. 2 and 5 are the only primes that end in 2 or 5
5. An icosagon is a shape with 20 sides
6. Among all shapes with the same perimeter a circle has the largest area.
7. Among all shapes with the same area circle has the shortest perimeter
8. 40 when written "forty" is the only number with letters in alphabetical order, while "one" is the only one with letters in reverse order
9. 'FOUR' is the only number in the English language that is spelt with the same number of letters as the number itself
10. Have you ever noticed that the opposite sides a die always add up to seven

DIVYANSH
CLASS VIII

EXAMINATION

Examination is a game of number

Awaking after a deep slumber

A play of a word for someone

A puzzle hard to crack, to many of one.

Set forth a bench marks

Set to guide your marks

The more the merrier

Helps in your carrier

Talent is not tested

And knowledge is wasted

Examination doesn't judge you

It does judge your output of and have or two on some selected matter

Examination is a game of number.

YOU BECAME A SUCCESFULL PERSON WHEN YOUR SIGNS BECAME AN
AUTOGRAPH.

(SUHANA CLASS VIII)

जीत का आह्वान

कर चलो तुम ज़िन्दगी की
जीत का आह्वान
देकर कर्म की आहुति इसमें ।
ना डरना कभी, ना थमना कभी
हँसते हुए आगे बढ़ना सभी
देकर विश्वास की आहुति इसमें ।
लाख तुफ़ाँ आए राह में
मगर पथ ना बदलना कभी

जो बढ़ गए कदम विजय-पथ पर
ना पलटना कभी
देकर साहस की आहुति इसमें ।
लक्ष्य का संधान कर लो
जीत की हर शाम अपने नाम कर लो
खुशी का हर गीत अपने नाम कर लो
देकर सत्य की आहुति इसमें ॥

रामविलास मीना

स्नातकोत्तर शिक्षक (भौतिकी)

हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू

हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू,
ऊँचाइयों को निरंतर स्पर्श करता चल तू,
मुश्किलों का हँस-हँस कर सामना करता चल तू ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

नहीं नाप सकेगा तुझे कोई पैमाना,
ऊँचे आकाश को भी चीरते हुए तुझे है चलते जाना ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

देख सदैव उस निशाने को, जिसको तूने साधा है,
अपने दिल की गहराईयों को सदैव तूने नापा है ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

मुश्किल राहों को सरल बनाता हुआ चल तू,
पग-पग पर अपनी किस्मत संवारता चल तू ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

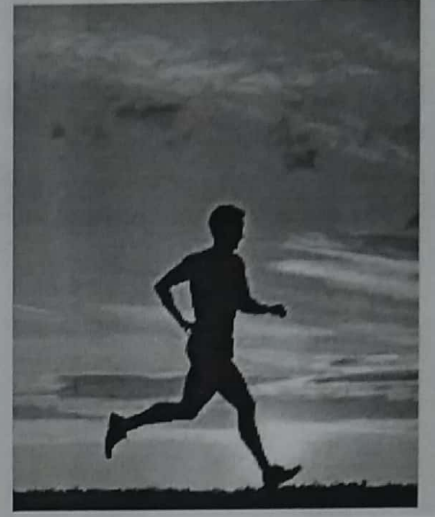
है चिंगारी तुझमें, है उत्साह इच्छाशक्ति का,
उस चिंगारी से लगा अनल तू, अपने ध्येय को पा ले तू,
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

न देखा पीछे मुड़कर तूने कभी, न मानी हार कभी,
तू जीतेगा तू पायेगा, इस जग में बदलाव लायेगा ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

तेरी असीम थाह न कोई ले पाया है,
तेरी सोच न कोई छू पाया है,
अदम्य साहस और वीरता की मिसाल बनता चल तू ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

तेरी स्वेच्छा, तेरा आत्मबल पहुँचा कर रहेगा तुझे तेरी मंजिल तक,
बिना रुके बिना थके बिना वक्त गँवाए ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥

रहे हाथ सदैव तेरे गुरुओं का तेरे शीश पे,
है जिन्हें देखने की इच्छा तुझे हर पल बुलंदियों पे,
इस शुभाशीष के साथ, बढ़ता चल तू ।
बढ़ता चल तू, हे युगनिर्माता ! आगे बढ़ता चल तू ॥



श्रीमती जागृति गुप्ता
टी. जी. टी. संस्कृत

Use of Artificial Intelligence in education system

The role played by AI in the education sector is likely to raise up by 47.5 per cent from 2017-2021.

Artificial intelligence can be understood as an advanced form of algorithm that helps machines to imitates human behaviour under real life situations.

There are numerous ways in which Artificial Intelligence is making the education system better:

1. **Personalized Learning** – Since a single teacher cannot pay attention to and cater to every student's need. Artificial intelligence is acting as a great helping hand. Various educational content institutions are designing curriculum with the help of AI which is able to transmit learning, testing and gather feedback on students on various stages. This whole process is helping in providing better education for students.
2. **Automation in grading** – AI based computer based programs are extremely helpful as they hold the power of imitating the teacher's behavior to assign grades to tests done by the students. This has been great help in improving the process of assessing every child's knowledge and their answers while sharing individual feedback.
3. **Enhancing Accesibility** : There are various AI-enabled tools which are making classrooms accessible to every student irrespective of the language, boundary differences or impairments in vision or hearing.
4. **Freeing teachers from Admin work** : As more and more teachers are taking the help of AI, the efficiency of teachers is going up. Their job is never restricted to teaching in classes alone. They have to spend a good amount of time in preparing assignments for students, assessing them and sharing the feedback.
5. **Support Outside Classes** : With AI in place, students no longer need to wait for the next day to see their teachers to get their doubts cleared. If a student is stuck up at some fundamental level, these AI tutors can be of huge help.

The right implementation and usage of technology can always prove beneficial.

Mrs. Mamta

(PGT Comp Sc)

Students Creativity



Teachers Creativity



Made by – Ms.Shikha PRT KV Mohanbari



Made by – Mrs.Jagrati Gupta TGT
Sanskrit, KV Mohanbari



Made by – Mr. Rishi Trivedi TGT
AE, KV Mohanbari